स्तर की संस्चनात्मक
व्यवस्था की यह विशेषता है कि
यह समाज की अन्य स्तर की
संस्चनाओं को आदेश प्रदान करती
है। निर्णयों और नियमों के
रूप में इसको अन्य सभी
व्यवस्थात्मक निकायों को आदेश
देने का अधिकार होता है।

इन आदेशों का सभी
निकायों द्वारा पालन कराया
जा सके, इसके लिये राजनीतिक
व्यवस्था के पास शक्ति होती
है। इसी प्रकार की संस्चनात्मक
व्यवस्था को समझने का प्रयास
अरस्तू से लेकर आजतक होते
रहे हैं। तुलनात्मक राजनीति

Dr. Pragya Rai, Asst. Prof. Pol. Sc.
Maharaja College

BA-1, Paper-2, Unit-4

सोमवार Monday 18

व्यवस्था विश्लेषण की आवश्यकता

व्यवस्था विश्लेषण तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण में विभिन्न कारणों से उपयोगी बन गया है। यदि हम किसी समाज-व्यवस्था को संरचना के स्तर पर देखें तो यह स्पष्ट रूप से चार संरचनात्मक

मंगलवार Tuesday 19

स्तरों से मिलकर बनी हुई व्यवस्था कही जा सकती है और ये चार स्तर हैं-

(1) सांस्कृतिक (2) सहभागिता
(3) राजनीतिक (4) आर्थिक

हमारे लिये, राजनीतिक राजनीतिक स्तर की समाज की संरचना महत्वपूर्ण है। राजनीतिक

Science, Manav... BA-1, Paper-2, Unit-3(a) ~~1996~~

March

11 सोमवार Monday

लिखित और अलिखित संविधानों में मौलिक अंतर

लिखित संविधान

(1) लिखित संविधान में प्रशासन संबंधी मौलिक बातें एक प्रलेख में लिपिबद्ध रहती हैं।

अलिखित संविधान में शासन संबंधी बातें लिखी हुई नहीं रहतीं। यह संविधान

12 मंगलवार Tuesday

रीति-रिवाजों, जनश्रुतियों और परंपराओं पर आधारित रहता है।

(2) लिखित संविधान दुष्परिवर्तनशील होता है। इसमें संशोधन के लिये विशेष प्रक्रिया अपनाई जाती है।

~~(3) लिखित संविधान का निर्माण~~

अलिखित संविधान

के लिये आवश्यक है।

(5) लिखित संविधान में नागरिक के अधिकार और स्वतंत्रता सुरक्षित रहते हैं। अलिखित संविधान में नागरिक के अधिकार और स्वतंत्रता की सुरक्षा की निश्चित गारंटी नहीं रहती।